an>

Title: Need to recognize SNDT Women's University in Mumbai South Parliamentary Constituency as a Central University.

श्री अरविंद सावंत (मुम्बई दक्षिण) : अध्यक्ष महोदया, मुम्बई में एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय है। वर्ष 1916 में स्थापित एस.एन.डी.टी. महिला विद्यापीठ देश का सबसे बड़ा और सबसे पुराना विश्वविद्यालय है। इस विद्यापीठ का इतिहास सामाजिक पुनरुत्थान की दृष्टि से देश में नारी शिक्षा के विकास के इतिहास से बावस्ता है। इसके संस्थापक भारत-रत्न महर्षि धोंडो केशव कर्वे थे। वे एक दूरदृष्टा समाज सुधारक थे, जिन्होंने पश्चिमांचल भारत की स्त्रियों के विकास के लिए निर्भीकता पूर्वक कार्य किया। वर्ष 1916 में मात्र पांच छात्राओं से शुरू हुए इस विश्वविद्यालय में आज 60,000 छात्राएं पढ़ रही हैं। इसे सांविधानिक मान्यता वर्ष 1951 में मिली। आज उसके सौ साल पूरे हो रहे हैं।

आज इस विद्यापीठ के अन्तर्गत 39 स्नाकोत्तर विभाग, महाविद्यालयों सहित 13 संचालित संस्थान, एक मान्यता प्राप्त स्वायत्त महाविद्यालय और सात मान्यता प्राप्त शोध संस्थान कार्यरत हैं। इससे सम्बद्ध महाविद्यालय सात प्रांतों और यूनियन टेरीटरी में भी फैले हुए हैं। 15 फैकल्टीज द्वारा डिग्री-डिप्लोमा दिए जाते हैं। विश्वविद्यालय तीन परिसरों - मुम्बई, जुहू तथा पुणे में कार्यरत है। औरंगाबाद में भी इनके कॉलेजेज हैं।

महोदया, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पी.एच.डी. को मिलाकर यहां कुल 250 पाठ्यक्रमों की पढ़ाई होती है। आज यहां सूचना प्रसारण तकनीक भी है। अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया और विश्वविद्यालय प्रशासन आई.सी.टी. से ही परिचालित है। वर्ष 1974 में स्थापित महिला शोध एवं अध्ययन केन्द्र आज अग्रणी व विश्वस्त पथ-प्रदर्शक के रूप में देश के अन्य ऐसे केन्द्रों को निर्देशित करता है। प्रदेश से लेकर पूरे देश के स्तर पर पॉलिसी निर्माण कार्य में इस केन्द्र का कारगर योगदान है।

अध्यक्ष महोदया, वर्ष 1971 में स्थापित निरंतर और प्रौढ़ शिक्षा तथा विस्तारित कार्य विभाग को उनकी कार्य दक्षता के लिए एन.एल.एम. यूनेस्को द्वारा पुरस्कृत किया गया था। इसे 'ए' एक्रिडेटेशन मिला हुआ है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से अपनी सरकार से मांग करता हूं कि यह उचित समय है। आज इसका सौ साल मनाया जा रहा है। आज केन्द्र सरकार एक नीति अपनाना चाहती है और आज केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को मान्यता दे रही है। यह सबसे पुराना है। महर्षि धोंडो केशव कर्वे का है। इन्हें 'ए' ग्रेड मिला हुआ है। ऐसे विश्वविद्यालयों को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा मिले। मैं आपसे भी विनती करूंगा। आप भी ऐसी सिफारिश करें और इसे केन्द्रीय विश्वविद्यालय की मान्यता मिले।

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और श्री श्रीरंग आप्पा बारणे को श्री अरविंद सावंत द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।